# आमुख

इस प्रकाशन का उद्देश्य जिला महेन्द्रगढ में एक वर्ष में हुए सामाजिक एवं आर्थिक तथा अन्य विकास कार्यों बारे जानकारी उपलब्ध करना है। इसमें जिलें से सम्बन्धित विभिन्न विषयों विशेषकर द्वोत्रफल, जनसंख्या, कृषि, सिंचाई, वन, पशुपालन, विद्युत, उद्योग, सड़क तथा परिवहन संचार श्रम तथा रोजगार, सहकारिता बैंक, शिक्षा, चिकित्सा, समाज कल्याण इत्यादी के अतिरिक्त बहुत से विविध विषयों पर सूचना उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है।

यह प्रकाशन विभन्न विभागों, अनुसंधानों, संस्थाओं और उन संस्थाओं एवं व्यक्तियों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा जिनकी जिला महेन्द्रगढ की सामाजिक व आर्थिक समस्याओं तथा उनसे जुड़े उन्य पहलुओं में रूची है।

मैं, जिला महेन्द्रगढ के विभिन्न कार्यालय अध्यक्षों जिन्होंने इस प्रकाशन के लिए सूचना उपलब्ध कराने में सहयोग दिया, के लिए आभारी हूॅ। उनके सहयोंग के बिना इस प्रकाशन को जारी कर पाना सम्भव नहीं था। , जिला सांख्यिकीय कार्यालय,नारनौल का इस प्रकाशन को संकलित करने, ग्राफ तैयार करने तथा रिपोर्ट को इस रूप में समय पर प्रकाशित करने के लिए आभार प्रकट करता हूॅ।

तिथिः–

जिला सांख्यिकीय अधिकारी,
नारनौल।

# जिला सामाजिक आर्थिक पुनरीक्षण –2007–2008 जिला महेन्द्रगढ

राजस्व रिकार्ड के अनुसार जिला महेन्द्रगढ का कुल क्षेत्रफल 1683 वर्ग किलोमिटर है। जिले की 2001 के अनुसार कुल जनसंख्या 812521 है, जो कि हरियाणा राज्य की कुल जनसंख्या का 3.84 प्रतिशत है, जिले का घनत्व 428 व्यक्ति प्रति वर्ग कि0मी0 है जिले में दो उपमण्डल, दो तहसील, तीन उपतहसील, पांच विकास खण्ड कुल 370 गांव है।

जिले की जलवायु सर्दियों में अधिक ठण्डा तथा गर्मियों में अधिक गर्म व शुष्क है। राजस्थान राज्य की समीपता के कारण मई व जून माह में धूल भरी आंधिय चलती रहती है। यहां का तापमान माह मार्च से बढना शुरू हो जाता है व जून माह में बढकर 47.5 डीग्री तक पंहुच जाता है। यहां वर्ष कम होती है। वर्ष 2007...08 में औसत वर्षा 1889.6 मिलीमीटर दर्जकी गई। यह जिला ग्राम प्रधान है। कुल जनसंख्या का 86.54 प्रतिशत लोग गांवों में रहता है। कुल जनसंख्या का 15.5 प्रतिशत अनुसूचित जातियॉ तथा कुल जनसंख्या पर साक्षरता दर प्रतिशत 70.43 है। जिसमें पुरूष 85.31 प्रतिशत तथा स्त्री साक्षरता 54.61 है।

वर्ष 2006–07 में बोया गया कुल निबल क्षेत्र 152 व कुल काश्त क्षेत्र 274 हजार हैक्टेयर था। सिंचाई सुविधाओं की अनिश्चित्ता के कारण बोया गया क्षेत्र प्रति वर्ष कम या अधिक होता रहता है। जिले के फसल चक्र पर सिंचाई सुविधाओं की कमी तथा वर्षा पर निर्भरता का असर स्पष्ट झलकता है। खरीफ की फसलमें यहां बाजर, ज्वार व ग्वार आदि व रबी में गेहूं जौ, चना तथा सरसों आदि होता है। जिले में सभी 370 गांवों में बिजली की सुविधाये उपलब्ध है तथा सभी गांवों को पक्की सड़कों से जोड़ा जाचुका है। जिले में वर्ष 2007–08 में कुल 222 सहकारी समितियां है। जिनकी कुल सदस्यता 108402 तथा 10515.63 करोड़ रू0 की कार्य पूंजी लगी हुई है। जिले में 1 हस्पताल, 3 सामूदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, 21 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा 24 आर्युवेदिक औषधालय कार्यरत है। इसके अतिरिक्त बहुत से निजी क्लीनिक भी लोगों को चिकित्सा सुविधायें प्रदान कर रहें है।

## स्थिति तथा भौतिक विशेषताऐं:–

यह जिला हरियाणा के दक्षिण में 28.06 अक्षांश तथा 76.08 डिग्री रेखांश के मध्य में स्थित है। इसके उत्तर दिशा में भिवानी, दक्षिण में राजस्थान, पूर्व में रेवाडी व पश्चिम में भिवानी जिला व राजस्थान पड़ता है।

## क्षेत्रफल तथा प्रशसनिक ढॉचा:–

जिला महेन्द्रगढ का 2001 के राजस्व रिकार्ड के अनुसार कुल क्षेत्रफल 1683 वर्ग कि0मी0 है। जबकि भारतीय सर्वेक्षण के अनुसार जिले का भौगोलिक क्षेत्र 1859 वर्ग कि0मी0 है। जो राज्य के कुल क्षेत्रफल का 3.81 प्रतिशत है। इस जिले में 2 तहसील है:– 1. नारनौल, 2. महेन्द्रगढ एवं 3 उपतहसील है:– 1. अटेली, 2. कनीना, 3. नांगल चौधरी।

जिला महेन्द्रगढ में 370 गांव है। जिसमें 221 गांव नारनौल तहसील में एवं 149 गांव महेन्द्रगढ तहसील में है। जिलें में 5 विकास खण्ड है जो कि क्रमशः इस प्रकार से है:– अटेली, कनीना, महेन्द्रगढ, नांगल चौधरी तथा नारनौल है। कुल ग्राम पंचायते 339 है। जिसमें 3109 पंच व सरपंचों की संख्या 339 है। जिलें में 2 नगर परिषद है नारनौल एवं महेन्द्रगढ एवं 4 मार्केट कमेटीयां है जो कि क्रमशः अटेली, कनीना, महेन्द्रगढ व नारनौल। है।

## भौतिक विशेषतायें:–

यह जिला समुद्रतल से 305 मीटर ऊंचा है। अरावली पर्वत की शाखांयें सारे जिले में फैली हुई है। जिलें में कोई बारहमासी नहर नहीं है। यहां की भूमि रतीली व दोमट है। रेतीली जमीन होने के कारण मई व जून मास में धूलभरी आंधियां चलती रहती है। वर्ष कम होने की वजह से हरे चार, फूल व सुन्दर पौधों की अत्यन्त कमी है। नारनौल तहसील के अनुक गांवों में भू–जल स्तर निरन्तर गिरता जा रहा है। इसी तरह महेन्द्रगढ व सतनाली में है।

## खनिज सम्पदाः—

जिला महेन्द्रगढ खनिज सम्पदा का धनी है। जिलें में स्लेट व भवन निमार्ण का पत्थर प्रचुर मात्रा में मिलता है। बजरी व रेती भी काफी मात्रा में मिलती है।

## नदियाः—

इस जिलें में दोहान व कृष्णावती दो बरसाती नदियां है। ये दोनों नदियां राजस्थान के पहाड़ी क्षेत्र से निकलती है। राजस्थान सरकार ने इन दोनों नदियों पर बांध बना लिए जिसके फलस्वरूप बरसात में भी अब पानी नही आता है।

## जलवायु तथा वर्षाः—

जिला महेन्द्रगढ का मौसम गर्मियों में अधिक गर्म व सर्दियों में अधिक सर्द होता हैं गर्मियों में यहां अधीकतम तापमान 48 डीग्री सैलसियस तक चला जाता है। जबकि सर्दियों न्युनतम 3 डिग्री सेल्सियस हो जाता है। वर्ष 2003 में 405.4 मिलीमीटर वर्ष यहा दर्ज की गई।

## मिट्टीः—

जिले की मिट्टी रेतीली व दोमट मिट्टी का मिश्रण हैं जिसमें नाईट्रोजन कम फासफोरस मध्यम है। नाईट्रोजन की मात्रा 11 से 80 किलोग्राम तथा पोटास की मात्रा 200 मिलोग्राम प्रति हैक्टेयर है।

## भू— जल विज्ञानः—

जिले में भू—जल स्तर 90 फुट से 850 फुट तक है। नारनौल व नांगल चोधरी विकास खण्ड में नीचे के पानी की सतह अत्यधिक गहरी है।

## भू—जल संसाधनः—

जिले में भूजल संसाधन विकास हो रहा है। लेकिन पानी की सतह अत्यधिक गहरी होने के कारण भू—जल संसाधन बहुत कम सफल हो रहे है।

**जनसंख्याः—**

जिला महेन्द्रगढ की जनसंख्या जनगणना 2001 के अनुसार 8125221 है। जिसमें 423578 पुरूष व 388943 स्त्रियां है। 1991 में यह 681869 जिसमें 357404 पुरूश व 324465 स्त्रियां थी 1991—2001 की अवधि में जिले की जनसंख्या में 19.16 दशकीय वृद्धि हुई है, जबकि 1981—91 में दशकीय वृद्धि दर 27.91 प्रतिशत थी। 2001 की जनगणना में महेन्द्रगढ जिले का राज्य के जिलों मे आबादी के हिसाब से 16 वां स्थान है।

**घनत्वः—**

भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा दिये गये भौगोलिक क्षेत्र के आंकड़ों के अनुसार जिले का कुल क्षेत्रफल 1859 वर्ग किलोमीटर है,यह राज्य के क्षेत्रफल का 4.30 प्रतिशत है। जनगणना 2001 के अनुसार राज्य की 3.84 जनसंख्या यहां रहती है। 2001 की जनगणना के आधार पर जिले का घनतव 428 व्यक्ति है, जबकि 1991 की जनगणना के आधार पर यह 485 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर था। हरियाणा राज्य का घनत्व 1991 में 372 व्यक्ति तथा 2001 में 478 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर हो गया है।

**ग्रामीण व शहरी जनसंख्याः—**

जनगणना 2001 के अन्तिम आंकेड़ों के आधार पर जिला की लगभग 86.54 प्रतिशत जनसंख्या अर्थात 702885 ग्रामीण क्षेत्र में रहती है। जिसमें 365343 पुरूष तथा 337542 स्त्रियां है। शहरी जनसंख्या 109636 है जोकि कुल जनसंख्या का 8.13 प्रतिशत है। जिसमें 58235 पुरूष तथा 51401 स्त्रियां है।

ग्रामीण क्षेत्र में तहसील महेन्द्रगढ की 318147 जनसंख्या में 165780 पुरूष तथा 152367 स्त्रियां है। शहरी क्षेत्र में नगर नारनौल की 62077 जनसंख्या में 33050 पुरूष व 29027 स्त्रियां है। महेन्द्रगढ शहर कीं कुल जनसंख्या 24323 में 12944 पुरूष व 11379 स्त्रियां है। अटेली की 5673 जनसंख्या में 3051 पुरूष व 2622 स्त्रियां

है। कनीना में 10195 मं 5298 पुरूष व 4897 स्त्रियां है। इसी प्रकार जनगणना का नगर नांगल चौधरी की 7368 कुल जनसंख्या में 3892 पुरूष व 3476 स्त्रियां है।

## मलीन बस्तियों की जनसंख्याः—

इस जिले मे नारनौल नगर की 11279 जनसंख्या बस्तियों में रहती है। जोकि 18.17 प्रतिशत है। इसमें 6058 पुरूष व 5221 स्त्रियां है। 0—06 वर्ग में 1780 बच्चों में 982 पुरूष व 798 स्त्रियों है।

## लिंगानुपातः—

जिला महेन्द्रगढ जनगणना 2001 के अनुसार प्रति हजार पुरूषों पर 918 महिलाओं का अनुपात हैं जो कि 1991 में 910 थीं। हरियाणा राज्य का यह अनुपात 861 प्रति हजार है जोकि सभी राज्यों में सबसे कम स्तर पर पहुच गया हैं

जिला महेन्द्रगढ में ग्रामीण एंव नगरीय क्षेत्रों में यह अनुपात क्रमशः— 924 व 883 है जो कि 1991 की जनगणना के अनुसार क्रमशः 911 व 901 था। ग्रमीण क्षेत्र में स्त्री पुरूष अनुपात तहसील महेन्द्रगढ में 919 व नारनौल में 928 तथा शहरी क्षेत्र नारनौल में 878 व महेन्द्रगढ में 892 अटेली में 859 तथा कनीना में 924 है।

## 0—6 आयु वर्ग के बच्चों में लिंगानुपातः—

जिला का 0—6 आयु वर्ग के बच्चों का लिंगानुपात 818 है। ग्रामीण क्षेत्र में 821 तथा शहरी क्षेत्र में 795 है। ग्रामीण क्षेत्र में दो तहसीलों महेन्द्रगढ तथा नारनौल में 825 व 818 है। राज्य में यह 819 है। नगरीय क्षेत्र में 826 व 781 है।

## मलिन बस्तियों लिंगानुपातः—

जिला महेन्द्रगढ के नारनौल शहर की 18.17 प्रतिशत जनसंख्या मलिन बस्तियों में रहती हैं यहां स्त्रियों व पुरूष का अनुपात 862 है। 0—6 आयु वर्ग की जनसंख्या में स्त्री पुरूष में अनुपात 798 हैं

**साक्षरताः—**

जनगणना 2001 में जिले में 478296 व्यक्ति साक्षर है। जिसमें 299145 पुरूष व 179151 स्त्रियां हैं जिले की साक्षर दर 69.89 प्रतिशत है। इस जिले में पुरूष साक्षर दर 84.72 एवं स्त्री साक्षर दर 54.08 की तुलना में अधिक रही। जबकि जनगणना 1991 के अनुसार जिले में 46.50 प्रतिशत व्यक्ति ही साक्षर थे। जिसमें पुरूष साक्षरता दर 61.88 प्रतिशत व स्त्री साक्षरता दर 29.60 प्रतिशत थी। जनगणना 2001 में राज्य साक्षरता दर 67.91 प्रतिशत है।पुरूष तथा स्त्री साक्षरता दर क्रमशः— 78.49 व 55.73 प्रतिशत है।

**ग्रामीण व शहरी साक्षरताः—**

जनगणना 2001 के अनुसार जिले में 69.13 प्रतिशत व्यक्ति साक्षर है। जिसमे 84.66 प्रतिशत पुरूष व 52.72 प्रतिशत स्त्रियां साक्षर है। जबकि 1991 की जनगणनानुसार ग्रामीण व शहरी स्तर पर साक्षरता दर क्रमशः— 44.71 तथा 59.16 प्रतिशत थी।

ग्रामीण साक्षरता की दुष्टि में तहसील महेन्द्रगढ व नारनौल में साक्षरता दर क्रमशः 84.24 व 88.91 प्रतिशत है तथा स्त्री साक्षरता दर क्रमशः 54.26 व 50.47 प्रतिशत है। शहरी साक्षरता दर में जिले के 5 नगरों की इस प्रकार से हैः— नारनौल 78.55, महेन्द्रगड 77.38, अटेली 83.27, कनीना 80.21 व नांगल चौधरी 70.72 प्रतिशत है। उक्त नगरों में पुरूष साक्षरता दर क्रमशः 88.88, 87.54, 91.44, 91.88 व 86.18 प्रतिशत तथा स्त्री साक्षरता दर क्रमशः 67.00, 65.94, 73.99, 67.80 व 53.98 प्रतिशत है।

**मलिन बस्तियों में साक्षरताः—**

इस जिले के नारनौल शहर में मलिन बस्तायों की कुल जनसंखय

11297 में से 6852 व्यक्ति साक्षर है। जिनमें 2456 पुरूष व 2496 स्त्रियां है। इस

बस्तियों में साक्षरता दर 72.13 प्रतिशत है जिनमें 83.84 प्रतिशत पुरूष तथा 58.69 प्रतिशत स्त्री साक्षर है।

# वन

## वनों के अधीन क्षेत्रः–

वन विभाग के अनुसार जिले में वर्ष 2007–08 में 46 वर्ग कि0मी0 क्षेत्र वनों के अधीन था जो कुल क्षेत्रफल का 2.47 है प्रतिशत है। इस समय जिले में 17 वर्ग किलोमीटर आरक्षित राज्य वन क्षेत्र तथा 24 वर्ग कि0मी0 सरंक्षित और 5 वर्ग कि0मी0 भारतीय वन अधिनियम के अनुसार बन्द किया गया क्षेत्र है।

# कृषि

## भूमि का प्रयोगः–

राजस्व रिकार्ड के अनुसार जिले का कुल 2006–07 में भौगोलिक क्षेत्रफल 194 हजार हैक्टेयर है इसका 21 हजार हैक्टेयर गोचर भूमि है तथा 35 हजार हैक्टेयर गैर कृषि कार्यों में प्रयोग होता हैं।

वर्ष 2006–07 में जिला महेन्द्रगढ में कुल बोया गया क्षेत्र का कृषि योग्य भूमि 152 हजार हैक्टयेर है जबकि निर्बिल बोया गया क्षेत्र 121 हजार हैक्टेयर जो कि कृषि योग्य भूमि का लगभग 96.8 प्रतिशत है एक बार से अधिक बोया गया क्षेत्र 124 हजार हैक्टेयर है। जो कि निबल बोया गया क्षेत्र का 65.29 प्रतिशत है। वर्ष 2006–07 में जिला महेन्द्रगढ में कुल बोया गया क्षेत्र 276 हजार हैक्टेयर रहा।

## कृषि जोतेः–

कृषि गणना 2000–01 के अनुसार जिला महेन्द्रगढ में कुल 74376 कृषि जोते कार्यरत थी। इन 74376 जोते में से 52081 जोते 2 हैक्टयेर से कम, 14876जोते 2 से 5 हैक्टेयर से कम, 5610 जोते 5 से 10 हैक्टेयर से कम, 1540 जोते 10 से 20 हैक्टेयर से कम एवं 269 जोते 20 हैं से तथा इससे उपर की थी।

जिला महेन्द्रगढ की रबी की मुख्य फसलें गेहॅू, जौ, चना तथा सरसों है। वर्ष 2007– 2008 में कुल बोय गये क्षेत्र में से 469 हजार हैक्टेयर गेहूं अधीन क्षेत्र 7 हजार हैक्टेयर जौ के अधिन क्षेत्र , 100 हजार हैक्टेयर चना अधीन क्षेत्र था व सरासों के अधीन क्षेत्र 0.29 हजार हैक्टेयर क्षेत्र था। खरीफ की मुख्य फसलों में बाजरा तथा ग्वार है। वर्ष 2007–2008 में बाजरा अधीन क्षेत्र 1032 हजार हैक्टेयर है ।

## मुख्य फसलों का उत्पादनः–

इस जिलें में फसलों के उत्पादन में प्राकृतिक साधनों का योगदान कम रहा है। जिले की मुख्य फसलें गेहूं और बाजरा है। 2006–07 में गेहूं का उत्पादन 157 हजार टन , सरसों का 119 हजार टन तथा चने का 4 हजार टन तथा बाजरे का 110 हजार टन था। गेहूं, जो, सरसों तथा चने की औसत उपज क्रमशः 4119, 2951, 1169 व 553 किलाग्राम प्रति हैक्टेयर रही।

## अधिक उपजाऊ किस्मेंः–

वर्ष 2006–07 में कुल खाद का उपयोग फसलों के अधिक क्षेत्र में गेहूं, बाजरा व सरसों की फसलों के अधिन कुल काश्त क्षेत्र का क्रमशः 22.8, 28.3 व 36 प्रतिशत है।

## रसायनिक खाद का वितरणः–

वर्ष 2007–08 में कुल खाद का वितरण 21327 टन रहा। उपयोग में नाईट्रोजन 18410 तथा फास्फेटिक 2729 व पोटास 188 टन रहा।

### पौधों की सुरक्षा के उपायः–

वर्ष 2007–08 में गेहूं व अन्य फसलों पर 97 टन किटनाशक दवाओं का प्रयोग किया गया।

## कृषि यन्त्र तथा उपकरणः–

2003 की गणनानुसार जिले में कृषि यन्त्र तथा उपकरणों में हल 8244, ,छकड़े 4153, सभी प्रकार के ट्रेक्टर 4122 नलकूप 20593, करबाईन हारवेस्टर 559 थे। वर्ष 2007–08 में 4914 चार पहियों वाले ट्रेक्टर कृषि कार्य के लिए प्रयोग में लाये जाते रहे।

वर्ष 2007–08 में महेन्द्रगढ जिले में कृषि उपज पूर्ति के लिए 4 मार्केट कमेटियों तथा 9 सब यार्डस द्वारा बिक्रि एवं खरीद की गई। जिसमें मुख्य गेहूं, बाजरा, सरसों आदि फसल रही।

वर्ष 2007–08 के दौरान इन सभी मण्डियों में गेहूं की कृषि उत्पादन आमद 5000 टन बाजरा की, 142000 टन रही। इन मण्डियों में किसान के रात ठहरने के लिए किसान विश्राम गृह हैं तथा इसके लिए अतिरिक्त पीने का पानी, पशुशाला इत्यादि की सूविधायें भी प्रदान की जाती है।

जिला महेन्द्रगढ में वर्ष 2007–08 में सरकारी गोदामों की क्षमता 40000 टन थी।

## समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रमः–

जिले में ग्रामीण क्षेत्र में गरीबी के अभिशाप को समाप्त करने के लिए भरसक प्रयास रहे हैं यह गरीब ग्रामीण परिवारों के आर्थिक स्तर में वास्तविक वृद्धि लाने में सफल रहे है। वर्ष 2007–08 में एस0जी0एस0वाई0 के तहत 452 गरीब परिवारों को 317 लाख रू0 के ऋण वितरित किये गये इनमें 213 परिवार अनुसूचित जाति के थें ा

## सिचांई से साधनः–

वर्ष 2007–08 में निबिल सिंचित क्षेत्र 39.894 हजार हैक्टेयर था जो बोये गये निबिल क्षेत्र का 5.91 प्रतिशत था। क्षेत्रानुसार सिंचाई क्षेत्र में 98 प्रतिशतों नलकूपों व 2. प्रतिशत नहरों द्वारा योगदान रहा। नलकूपों द्वारा 32000 हैक्टेयर एवं नहरों द्वारा 7.894 हजार हैक्टेयर भूमि की सिंचाई की गई।

वर्ष 2006–07 में कुल सिंचित क्षेत्र कुल बोये गये क्षेत्र का 56.9 प्रतिशत था तथा निबिल सिंचित क्षेत्र निर्बिल बोये गये क्षेत्र का 22.4 प्रतिशत रहा। कुल सिंचित क्षेत्र 157000 हैक्टेयर है।

## फसलानुसार सिंचित क्षैत्रः–

वर्ष 2007–08 में फसलानुसार कुल बोया गया क्षेत्र 157 हजार हैक्टेयर था। फसलानुसार सिंचित क्षेत्र की स्थिति इस प्रकार रही गेहूं के अधीन 2.078 हजार हैक्टेयर , जौ 0.082 हजार हैक्टेयर , चना 0.038 हजार हैक्टेयर  अन्य खाद्य फसलें 1.724 , कपास 0.015 हजार हैक्टेयर व अन्य खाद्य फसलें तेल बीजो सहित 3.087 हजार हैक्टेयर तथा बाजरा 1.400 हजार हैक्टेयर रहा।

## सिंचाई की सघनताः–

वर्ष 2006–07 में जिला महेन्द्रगढ में कुल सिंचित क्षेत्र 157 हजार हैक्टेयर तथा निबिल सिंचित क्षेत्र 34 हजार हैक्टेयर था जिसके अनुसार सिंचाई की सघनता 461.8 प्रतिशत रही।

## नलकूप/पैम्पिंग सैटः–

वर्ष 2006–07 में कुल नलकूपों /पैम्पिंग सैटों की संख्या 25093 रही।

## बाढः–

वर्षा कम होने के कारण इस जिले में बाढ कम आती है। जिला अधिकतर सूखा रहता है।

## पशुपालन तथा डेरीः–

पशुगणना 2003 के अनुसार जिला महेन्द्रगढ में पशुधन की संख्या 402700 तथा कक्कुट संख्या 198300 थी। कुल पशुधन में से 30800 गाय व बैल, 226800 भैंसे , 38800 भेड़ ,69600 बकरी ,700 घोड़े तथा 400 खच्चर , 8.79 प्रतिशत 7500 ऊंट, 2200 सुअर व 25700 कुते तथा 200 गधे  थे।

जिला महेन्द्रगढ में प्रति हजार मनुष्यों के पिछे पशु संख्या 38000 थी जिसमें भैंसे 279000, घोड़े और टट्टू 1000, भेड़ 48000, बकरियां 86000, कुकटादि

244000, व ऊंट 9000 थे।

वर्ष 2007–08 में जिला में 51 पशु चिकित्सालय, 0 कृत्रिम गर्भदान केन्द्र, 59 पशु चिकित्सा डिस्पेन्सरी, 0 स्टाक मैन केन्द्र, 0 भेड़ ऊन विस्तार केन्द्र पशु चिकित्सा प्रदान करने के लिए कार्यरत रहे।

वर्ष 2006–07 में सभी संस्थाओं द्वारा 121000 पशुओं का इलाज किया गया। इस वर्ष के दौरान 14000 गाय एवं 50000 भैंसों का कृत्रिम गर्भदान किया गया। जिला में 15 विकसित गौशाला है।

## डेरी दुग्ध उत्पादनः–

दुग्ध उत्पादन कृषकों की अतिरिक्त आय का साधन है। 2003 की पशुगणना के अनुसार जिले मे कुल पशुधन 30800 में से 8500 दुधारू पशु थे।

जिला महेन्द्रगढ में से एक दुग्ध केन्द्र लगा हुआ हैं इसमें दूध घी आदि का उत्पादन किया जाता है।

## मछली पालनः–

वर्ष 2007–08 में मछली पालन से 459,00,000 रू0 की प्राप्ति हुइ्र एवं मछली पालन के लिए 290 हैक्टेयर भूमि का प्रयोग में लाया गया 5681 टन विभिन्न प्रकार की मछली का विपणन किया गया।

## विद्युतः–

जिले में सभी गावों तथा शहरों का विद्युतीकरण हो चुका है।

## नलकूपः–

वर्ष 2007–08 में जिला महेन्द्रगढ में विद्युतीकरण नलकूपों की संख्या 55074 थी जिसमें 53553 कृषि तथा 1521 जलपूर्ति थे।

## विभिन्न परियोजना में विद्युत का प्रयोगः–

वर्ष 2007–08 में 13495 एल0टी0 लाईनें 11 किलावाट लाईने 7510 तथा 16234 ट्रांसफार्मर थे। इस प्रकार जिले में सयोंजनों की संख्या 317815 हो गईं। कुल संयोजनों में 235000 घरेलू 24474 वाणिजय 3161 उद्योग 53553 कृषि एवं शेष अन्य उपयोगों के लिए 1627 प्रतिशत थे।

जिला महेन्द्रगढ में बिजली का उत्पादन नहीं होता वर्ष 2007–08 के दौरान 5397.33 लाख किलोवाट बिजली की खपत हुई जिसमें 608.90 लाख किलोवाट घरेलू 172.41 लाख किलोवाट वाणिज्य की 153.75 औद्योगिक 4.35 सार्वजनिक प्रकाश 186.90 सार्वजनिक जल आपूर्ति 4257.15 कृषि अन्य इत्यादि में तथा 13.87 भारी मात्रा में उपयोग करने वाले समायोजनाओं द्वारा खपत की गई।

**खनिज पदार्थ तथा उद्योगः–**

खनिज के क्षेत्र में यह जिला धनी है। इस जिले में स्लेट का पत्थर नारनौल तहसील के बिहाली गांव की पहाड़ियों में पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। यहां का पत्थर विदेशों में भी निर्यात किया जाता है। भवन निर्माण का पत्थर जिलें में प्रचूर मात्रा में पाया जाता है। बजरी तथा रेती काफी मात्रा में यहां उपलब्ध होती है। जिला महेन्द्रगढ में 1893 मिट्रिक टन खनिज का उत्पादन हुआ जिसकी कीमत 309000 हजार है।

**लघु उद्योग यूनिटः–**

वर्ष 2007.08 में जिला महेन्द्रगढ में 60 फैक्ट्रियां कार्यरत थी।

वर्ष 2007.08 तक जिले में कुल 60 रजिस्टर्ड फैक्ट्रियों में से 41 फैक्ट्रियां 2एम(I) तथा 19 फैक्ट्रियां धारा 85 के अधीन रजिस्टर्ड थी जिसमें अनुमानित 4250 कार्यकर्ता कार्य कर रहें थे। जो राज्य के कुल फैक्ट्रियों के कार्यकर्ताओं का 0.62 प्रतिशत है।

## सड़क तथा परिवहन

**सड़कों की लम्बाईः–**

लोक निर्माण विभाग (भवन तथा सड़के) द्वारा सारा वर्ष सड़कों की देख रेख की जाती है। वर्ष 2007–08 में जिला महेन्द्रगढ में 1008 कि0मी0 पक्की 35 कि0मी0 कच्ची सड़क थी। वर्ष 2007–08 के दौरान जिले के सभी गांव सड़कों से जुड़े है।

रेलवे स्टेशन एवं परिवहन बस स्टेन्डो की संख्याः–

वर्ष 2007–08 में इस जिले के प्रायः सभी गांव पक्की सड़कों से जुड़े हुए

है। इस जिले में हरियाणा परिवहन, नारनौल द्वारा निर्मित 4 बस स्टैण्ड 26 बस क्यू सेलटर सेवायें प्रदान कर रहे थे। महेन्द्रगढ जिलें में 12 रेलवे स्टेशन है एवं 100 कि0मी0 रेलवे लाईन की लम्बाई है।

जिला महेन्द्रगढ में हरियाणा राज्य परिवहन का एक डिपो है। जिसमें बसे जिले के अन्दर व राज्य व अन्तर्राज्य रूटों पर चलाई जा रही है। इन बसों से वर्ष 2007–08 में 130.57 लाख किलोमीटर दूरी तय की गइ्र है। जिससे 2021.50 लाख रू0 की आय हुई। इन बसों में प्रतिदिन औसत 56250 यात्रियों द्वारा यात्रा की गई।

### सड़क दुर्घटनायें:–

वर्ष 2007–08 में इस जिले में 549 दुर्घटनायें घटी जिसमें 691 गाड़ियां दुर्घटना ग्रस्त हुई। इन दुर्घटनाओं 151 व्यक्ति मारे गये तथा 502 व्यक्ति घायल हुये।

### डाकघर व तारघरः–

वर्ष 2007–08 में जिले में 117 डाकघर तथा तारघर कार्य कर रहें थे। प्रति लाख व्यक्ति के पिदे 13 डाकघर कार्य कर रहे थे। इसके अतिरिक्त जनता की सुविधा के लिए 490 लेटर बाक्स की सेवायें प्रदान की गई।

### दूरभाष केन्द्रः–

वर्ष 2006–08 में जिला महेन्द्रगढ में 420 सार्वजनिक दूरभाष कार्य कर रहें थे।

## श्रम तथा रोजगारः–

### औद्योगिक झगड़ेः–

वर्ष 2006 के दौरान जिला महेन्द्रगढ में 65 औद्योगिक झगड़े रिपोर्ट किये गये थे। जिसमें सभी झगड़े का निपटान किया गया। वर्ष के दोरान औद्योगिक संगठन में किसी प्रकार की ताला बन्दी हड़ताल नहीं हुई जिले में वर्ष 2006 में श्रमिक संघ अधिनियम 1926 के अधिन रजिस्टर्ड संघों की संख्या 10 है।

### रोजगार केन्द्रः–

जिला महेन्द्रगढ में 2007–08 में 13430 व्यक्ति संगठित क्षेत्र में रोजगार में थे जिसमें से 12953 व्यक्ति सार्वजनिक क्षेत्र एवं 477 व्यक्ति निजी क्षेत्र में लगे हुए थे।

जिला महेन्द्रगढ में 2 रोजगार कार्यालय एवं एक व्यवसायिक मार्ग दर्शन हेतू सूचना केन्द्र है। इन रोजगार कार्यालय में वर्ष 2007–08 में 9874 व्यक्तियों द्वारा रोजगार हेूत पंजीकरण करवाया गया जिसके कुल पंजीकृत बेरोजगार व्यक्तियों संख्या 65250 हो गई है। इन रोजगार केन्द्रों से 20 व्यक्तियों का रोजगार उपलब्ध करवाया गया।

जिला महेन्द्रगढ में वर्ष 2007 के दौरान 814 दुकानों में 87 कर्मचारी 21 वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में 83 कर्मचारी एवं 20 होटल तथा जलपान गृहों में 62 कर्मचारी कार्यरत रहें।

## मजदूरी की औसत दैनिक आयः–

वर्ष 2007.08 में जिला महेन्द्रगढ में कुशल श्रमिक जैसे बढई, लौहार, आदि की दैनिक मजदूरी 225 रू0, दैनिक हल चलाने वाला 135 रू0 गुड़ाई के लिए 100 रू0 एवं अन्य कृषि कार्य करने वाले की दैनिक मजदूरी 200 रूपये थी।

## सहकारिताः–

वर्ष 2007–08 में जिला महेन्द्रगढ में 222 सहकारी समितियां थी जिसमें सदस्यों की सख्या 108402 थी। वर्ष के दोरान इन सहकारी समितियों में 502.28 करोड़ रू0 हिस्सा पूंजी 625.40 करोड़ रू0 अन्य निजी पूंजी थी जबकि कार्यपूंजी 10515.63 करोड रू0 की राशि इस प्रकार प्रतिव्यक्ति औसत कार्यपूंजी 292 रू0 नारनौल तथा 636 र महेन्द्रगढ मे थी।

जिले में प्रतिलाख व्यक्तियों पर समितियों की संख्या 20 थी जबकि प्रति हजार संख्या पर सब प्रकार की समितियां की संख्या 19 थी।

इन सभी 222 सहकारी समितियों एवं बैंकों में से 1 केन्द्रीय सहाकारी बैंक , 22 कृषि..ऋण बैक , 25 गैर कृषि ऋण , 1 प्राथमिक भूमि विकास बैंक 2 विपणन 5 दुग्ध पूर्ति 0 उपभोक्ता समीतियां/ 12 आवास समीतियां 159 अन्य प्रकार की समीतियां की एवं 0 बुनकर समितियां थी।

जिले में वर्ष 2006–07 में एक केन्द्रीय सहकारी बैंक जिसकी हिस्सा पूंजी 918 लाख रूपये थी जिसकी कार्य पूंजी 22775 लाख रू0 रही वर्ष के दौरान इस

बैंक द्वारा दिया गया कर्ज 23177 लाख रू0 तथा 214 लाख रू0 का लाभ कमाया।

वर्ष 2007–08 में जिला में 1 प्राथमिक भूमि विकास बैंक हे। जिसमें हिस्सा पूंजी 987.27 निजि पूंजी 790.09 लाख रू0 जबकि कार्य पूंजी 30445.76 लाख रू0 थी। वर्ष के दौरान इन बैंकों द्वारा 1839.72 लाख रू0 कर्जा दिया गया था जिसमें 6.00 लाख रू0 भूमि सुधार हेतू दिया गया तथा 159.05 लाख र ट्क्टरो के खरीदने हेतू दिया गया ा

जिला महेन्द्रगढ में 2006.07 में 50 अनुसूचित वाणिजय बैंक के कार्यालय थे जिनमें से 43 प्रतिशत ग्रामीण तथा 57 प्रतिशत शहरी क्षेत्रों में थे। प्रति बैंक ब्रान्च द्वारा 16800 व्यक्तियों को सवाऐं प्रदान की गई मार्च 2006 तक 642 करोड़ रू0 जिला महेन्द्रगढ में अनुसूचित वाणिज्य बैंकों में जमा थे। जिसमें से 352 करोड़ रू0 ऋण के रूप में दिये गये। इस प्रकार ऋण व जमा में अनुपात 54.83 प्रतिशत था।

सबसे अधिक ऋण कृषि एवं उससे सम्बन्धित कार्यों के लिए प्रदान किये गये। प्रति व्यक्ति जमाधन राशि 6424 रू0 थी।

## शिक्षा

### विद्यालय तथा महाविद्यालयः–

जिला महेन्द्रगढ में वर्ष 2007–08 के दौरान 511 प्राथमिक, 203 माध्यमिक, 177 उच्च तथा वरिष्ठ माध्यमिक मान्यता प्रापत विद्यालय ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में शिक्षा प्रदान कर रहें थे। इन प्राथमिक, माध्यमिक तथा उच्च एवं वरिष्ठ माध्यमिक मान्यता प्राप्त विद्यालयों में क्रमशः 1539, 714, 2347 अर्थात कुल 4600 अध्यापक कार्यरत थे।

वर्ष 2007–08 में अनुसूचित जाति के कुल 47792 विद्यार्थियों ने मान्यता प्राप्त विद्यालयों में शिक्षा प्राप्त की ैं इसमें 18532 प्राथमिक विद्यालयों 7815 माध्यमिक विद्यालय तथा शेष 21445 प्रतिशत विद्यार्थी उच्च व वरिष्ट माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षा प्राप्त कर रहें थे।

इस जिले में प्रति अध्यापक विद्यार्थियों का अनुपात 39 प्राथमिक 36 माध्यमिक तथा 30 उच्च वरिष्ठ माध्यमिक विद्यलायों का था। इसके अतिरिक्त प्राईमरी

शिक्षा के लिए समकेतिक बाल विकास परियोजना के अन्तर्गत नारनौल, महेन्द्रगढ, अटेली, कनीना व नांगल चौधरी विकास खण्ड में 761 आंगनवाड़ी केन्द्र कार्यरत थे।

वर्ष 2006–07 में महेन्द्रगढ जिला में 6 सामान्य व 2 स्त्रियों के लिए अर्थात 8 महाविद्यालय कार्यरत थे। जिसमें कुल विद्यार्थियों की संख्या 10345 थी जिसमें अनुसूचित जाति के 1291 विधार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहें थे।

अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमः–

व्यवसायिक शिक्षा के लिए जिले में एक बहुतकनिकी महाविद्यालय है। जिसमें 1500 विधार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे थे। जिसमें 200विद्यार्थी अनुसूचित जाति के थे।

**चिकित्साः–**

वर्ष 2007–08 में जिला महेन्द्रगढ में राज्य सरकार तथा प्राईवेट संस्थाओं द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न प्रकार की ऐलोपेथी संस्थओं जिनमें 132 राज्य सरकार द्वारा 1 प्राईवेट सहायता प्राप्त संस्थाओं द्वारा चिकित्सा सेवाऐं प्रदान की गई। इन संस्थाओं में 1 अस्पताल 21 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जिनमें 18 ग्रामीण क्षेत्र तथा 1 शहरी क्षेत्र में, 5 सामूदायिक विकास केन्द्र 3 डिसपेन्सरी तथा 102 उपकेन्द्र कार्यरत थें। इसके अतिरिक्त जिले में 24 आर्युवेदिक डिस्पेन्सरी भी चिकित्सा सुविधायें प्रदान कर रहीं है। जिले में विशेष चिकित्स के लिए 1 क्षय रोग केन्द्र भी हैं

वर्ष 2007–08 में सरकार संस्थाओं द्वारा 433825 रोगियों को चिकित्सा सेवाऐं प्रदान की गई। इनमें 322 बिस्तर उपलब्ध थे प्रत्येक 1 लाख आबादी के लिए 35 रोगी बिस्तर उपलब्ध थे।

वर्ष 2007..08 में जिले में कुल जन्मों की संख्या 17526 कि जिनमें 9839 पुरूष व 7687 स्त्रिया थी इसमें 9089 ग्रामीण 8437 शहरी क्षेत्र में जन्म हुए। वर्ष 2008 में मौतों की संख्या 5071 रही जिसमें 4432 ग्रामीण तथा 639 शहरी क्षेत्र के लोग थे। जिनमें 140 एक वर्ष से कम उम्र की मौते हुई।

**परिवार कल्याण कार्यक्रमः–**

वर्ष 2007–08 में जिला महेन्द्रगढ में 8 परिवार कल्याण केन्द्र कार्यारत थे इनमें नसबन्दी के कुल 2541 केसिज किये गये थे। जिसमें पुरूषों के 222 तथा महिलाओं के 2319 के किय गये एवं वर्ष के दौरान आई0यू0डी0 प्रयोग करने वाले व्यक्तियों की संख्या 7791 थी।

**सुरक्षित पेज जलः–**

वर्ष 2007–08 तक जिले के सभी 370 गांवों में पीने के पानी की व्यवस्था की जा चुकी है।

**कल्याण विभाग अनुसूचित जातियां व पिछड़े वर्गः–**

कमजोर वर्ग के कल्याण के लिए विशेष कार्यक्रम जैसे मकान बनाने के लिए ऋण, उच्च कक्षाओं में प्रतियोगी तैयारी हेतू वितिय सहायता, विद्यार्थियों को छात्रवृति पुस्तकें एवं लेखन सामग्री खरीदने हेतू बिना ब्याज के ऋण तथा मुफ्त वर्दियों का बांटना सारा वर्ष प्रगति पर रहा।

वर्ष 2006–07 में मकान अनुदान योजना अनुसूचित/ विमुक्त जाति के अनतर्गत 32 परिवारों को 3.20 लाख रू0 का अनुदान दिया गया। इस स्कीम में उन व्यक्तियों को जिनके पास कच्चा मकान हो व 50 वर्ग गज का प्लाट हो उन्हें 10,000 रू0 का अनुदान दिया जाता है।

कानूनी सहायता के अन्तर्गत वर्ष के दौरान सरकार से कोई भी अनुदान प्राप्त नहीं हुआ। इस स्कीम में किसी भी अनुसूचित जाति के व्यक्ति का जिसका स्वर्ण जाति के व्यक्ति के साथ न्यायालय में मुकदमा चल रहा हो उसकी पैरवी हेतू बतौर वकील की फीस अनुदान दिया जाता है।

हरिजन बस्ती स्कीम के अर्न्तगत गांव में अनुसूचित जाति बस्तियों की नालियां पक्की करवाने हेतू अधिक से अधिक 50000 रू0 दिये जाने का प्रावधान है।

विद्यार्थी कर्जा योजना के अर्न्तगत अनुसूचित जाति के मैट्रिक स्तर के विद्यार्थी को पाठ्यक्रम तथा लेखन सामग्री खरीदने के लिए 800 रू0 प्रति विद्यार्थी स्नातकोत्तर को 1500 रू0 तथा व्यवसायिक कोर्स हेतू 2000 रू0 का राशि प्रतिवर्ष ब्याज रहित ऋण दिया जाता है।

**वृद्धावस्था एवं पेन्शनः–**

वर्ष 2007–08 में जिला महेन्द्रगढ में ताऊ देवीलाल वृद्धावस्था पेन्शन के अन्तर्गत 46082 वृद्धों को 300 रू0 प्रतिमाह की दर से 1696.27 लाख रू0 विधवा पेन्शनयोजना के अर्न्तगत 14056 लाभ पात्रों को 575.91 लाख रू0 तथा 3511 विकलांग व्यक्तियों को 155.52 लाख रू0 की राशि पेन्शन के रूप में वितरित की गई है।

# विविध

## नगरपालिकायेंः–

वर्ष 2007–08 के दौरान जिले में स्थित कनीना नगरपालिका से 10842103 रू0 की आय एंव 9080848 रू0 व्यय ,नारनौल नगरपालिका से 48301219 रू0 की आय एंव 45414944 रू0 व्यय , महेन्द्रगढ नगरपालिका से 1614419 रू0 की आय एव 16497979 रू0 व्यय किये गये ।

## जिला राजस्वः–

जिला राजस्व में वर्ष 2006–07 में निम्न साधनों द्वारा राजस्व की प्राप्ति की गई। हरियाणा सामान्य कर अधिनियम 1973 के अन्तर्गत बिक्रि कर से 159461000 रू0 तथा केन्द्रीय बिक्री अधिनियम 1956 के अन्तर्गत 3417000 रू0 मनोरंजन कर से 1424000 रू0 की आय प्राप्त हुई।

## रजिस्ट्रीकरणः–

जिला महेन्द्रगढ में वर्ष 2006–07 में रजिस्ट्री कार्यालयों की संख्या 5 थी जिनमें अनिवार्य तथा ऐच्छिक अचल सम्पत्ति की रजिस्ट्री संख्या 14261 थी एवं 1344 चल सम्पति की अन्तर्गत सम्पति का कुल मूल्य 2,18,57,63,000 था एवं कुल प्राप्तियां 3219000रू0 थी।

## पुलिस तथा अपराधः–

इस जिले में वर्ष 2008 में 8 पुलिस स्टेशन 11 पुलिस चौकीयां कार्यरत थी जिले में वर्ष के दौरान कुल 2060 अपराध हुए जिनमें से 30 हत्या के,112 केस

सेंधमारी के वं 3 डैकती के ,73 साधारण चोरी के ,2 पशु चोरी के, 8 लूट ,24 हरण ,77 दगा ,1 सदोष हत्या  तथा 1730 केस विविध अपराधों से सम्बन्धित थें।

**हरियाणा सरकार के कर्मचारीः—**

जिला महेन्द्रगढ में 31 मार्च 2007 को हरियाणा सरकार के अधीन 12718 कर्मचारी कार्यरत थे जिसमें 9557 पुरूष एवं 3161 स्त्रियां थी। जिले में 2606 अनुसूचित जाति के तथा 3225 पिछड़े वर्ग के कर्मचारी थे।

**मनोरंजन एवं ऐतिहासिक स्थलः—**

जिला महेन्द्रगढ में कई स्थल देखने योग्य है जैसेः— बीरबल का छत्ता, जलमहल, चोर गुम्बद, शाहकुली का मकबरा, पीरआगा का मकबरा आदि एवं मनोरंजन हेतू पांच सिनेमाघर है।

**बचतः—**

इस जिले में वर्ष 2006—07 में जिला में 389000 रू0 के मासिक आय योजना ,133000 रू0 6 वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र में जमा किये गये। इस प्रकार कुल  522000 रू0 की राशि जमा की गई।

**विकेन्द्रिकरण योजनाः—**

जिला महेनद्रगढ में वर्ष 2007—08 के दौरान 143 लाख रू0 की जारी विभिन्न विकास कार्यों के लिए राशि की गई।

**खेल—कूदः—**

खेल विभाग द्वारा सुभाष स्टेडियम नारनौल में समय—समय पर विभिन्न प्रकार की प्रतियोगितओं का आयोजन किया जाता है। खेल विभाग हरियाणा व प्रशासन के सहयोग से 10 एकड़, भूमि नेताजी सुभाष स्टेडियम का निर्माण किया गया। इसमें एथलेटिक्स का 400 मी0 तैराक, फुटबाल, बालीबाल, कब्बडी तथा खो—खो आदि खेलों के मैदानो की सुविधायें है। जहां प्रशिक्षक प्रतिदिन सुबह शाम बच्चों को निशुल्क

प्रशिक्षण देते है।

## चुनाव व मतदाताः–

वर्ष 2007 में जिला महेन्द्रगढ मं 1414960 मतदाता थे जोकि तीनों विधान सभा क्षेत्रों में विभाजित थे। महेन्द्रगढ लोक सभा सीट के अर्न्तगत 10 विधानसभा क्षेत्र आते है।

# जिला महेन्द्रगढ एक दृष्टि में– चुने हुए सूचकांक

| | | |
|---|---|---|
| 1 | जनसंख्या धनत्व प्रति वर्ग कि0मी0–2001 | 428 |
| 2 | कुल जनसंख्या पर ग्रामीण जनसंख्या की प्रतिशतता– 2001 | 86.54 |
| 3 | कुल जनसंख्या पर शहरी जनसंख्या की प्रतिशतता– 2001 | 13.46 |
| 4 | कुल जनसंख्या पर 0–6 आयु वर्ग की जनसंख्या की प्रतिशतता –2001 | 15.58 |
| 5 | कुल जनसंख्या में लिंगानुपात –2001 | 919 |
| 6 | ग्रामीण जनसंख्या में लिंगानुपात– 2001 | 925 |
| 7 | शहरी जनसंख्या में लिंगानुपात – 2001 | 884 |
| 8 | 0–6 आयु वर्ग की जनसंख्या के लिंगानुपात–2001 | 814 |
| 9 | साक्षरता प्रतिशतता– 2001 पुरूष महिला | 69.89<br>84.72<br>54.08 |
| 10 | कुल बोये योग्य क्षेत्र की कुल सिंचित क्षेत्र से प्रतिशतता 2006...07 | 54.7 |
| 11 | एक बार से अधिक बोये गये क्षेत्र की कुल कुल बोये गये क्षेत्र से प्रतिशतता – 2006..07 | |
| 12 | निर्बिल बोये गये क्षेत्र से निबिल स्थित क्षेत्र से प्रतिशतता 2006.07 | 56.3 |
| 13 | गांव के विद्युतीकरण की प्रतिशतता – 2006–07 | 100 |
| 14 | स्कूल जाने वाले प्रति हजार बच्चों पर स्कूलों की संख्या – 2007–08 प्राथमिक माध्यमिक उच्चतर | 7 11 3 |
| 15 | प्रति लाख जनसंख्या के पीछे बिस्तरों की संख्या – 2007–08 | 35 |
| 16 | प्रति पांच लाख जनसंख्या के पिछे अस्पताल की संख्या – 2007–08 | 1 |
| 17 | प्रति बैंक के पिछे व्यक्तियों की संख्या – 2007–08 | 17700 |
| 18 | प्रति 100 वर्ग कि0मी0 क्षेत्रपर पक्की सतही सड़कों की लम्बाई कि0मी0– 2007–08 | 53.08 |
| 19 | प्रति लाख जनसंख्या के पिछे डाकघरो की संख्या – 2007–08 | 13 |
| 20 | प्रति लाख जनसंख्या पर परिवार कल्याण केन्द्र की संख्या – 2007–08 | 8 |
| 21 | वर्तमान सीमानुसार 2001 की जनगणना के आधार पर जिला की जनसंख्या | 812521 |

**BLOCK WISE No OF VILLAGES IN DISTRICT Mahendergarh CENS**

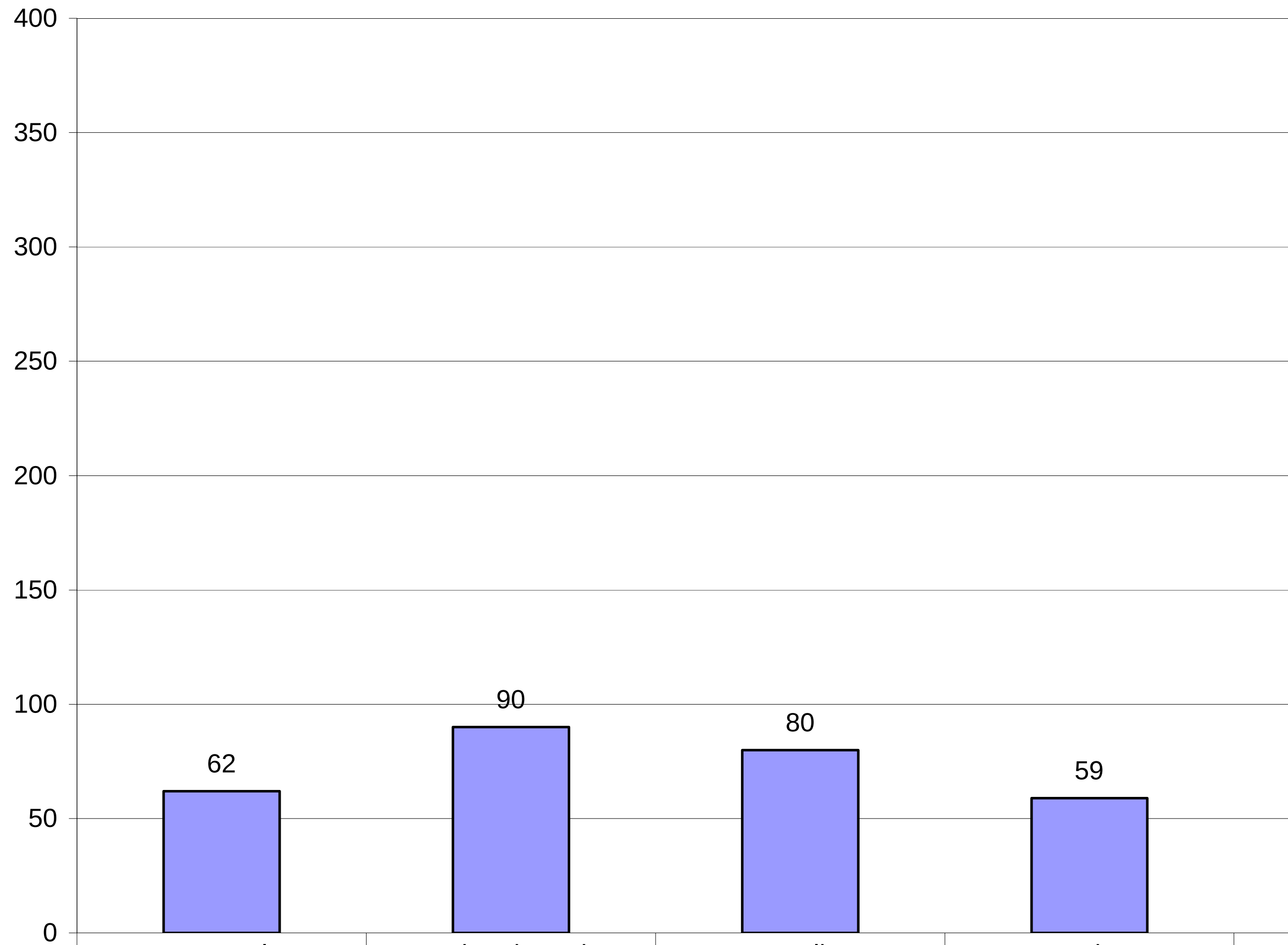


| | Narnaul | Mahendergarh | Ateli | Kanina | N |
|---|---|---|---|---|---|
| Villages | 62 | 90 | 80 | 59 | |